

पादुका री पादुका तू है परम सेविका  
पादुका री पादुका तू है परम सेविका  
पादुका री पादुका तू है परम प्रेमिका  
तुझ में समाई है श्रीचरणों की सुवास  
जनि श्रीचरणों की महिमा है खास  
रहती है तू नतिय सान्धिय में  
करती है तू नतिय उनका आराधन  
करती है तू नतिय चरनामृत का पान  
प्रभु के चरनारवि है तेरी पहचान  
क्यों न हो तुझे इतना गुमान  
गुरु चरनकमल है तेरी आन और शान  
नति तू पीती है चरण कमल पराग  
नति रहता तेरा मन मगन पाकर अनुराग  
पादुका री तू धन्य धन्य है  
तुझसा बडभागी कौन अन्य है ?  
तू ही गुरु मनभावन है  
तू ही अखंड सुहागन है